



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी०बी०सी०एस०)

कोर्स कोड	एम०ए० प्रथम सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)	
		CIE	ETE		
A010701T	Core	प्राचीनकाव्य	25	75	5 Credits
A010702T	Core	भक्तिकाव्य	25	75	5 Credits
A010703T	Core	रीतिकाव्य	25	75	5 Credits
A010704T	First Elective (Choose any one)	आधुनिक गद्य (निबंध एवं नाटक)	25	75	5 Credits
A010705T		आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य —विघाएं			
A010706P	Second Elective (Choose any one)	स्वयं का संस्मरण रिपोरताज, लेखक के साथ साक्षात्कार, आदि विषय में 8000 शब्दों में लेखन	50	50	4 Credits
A010707P		परियोजना प्रस्तुति (आदिकाल से मध्यकाल) के किसी कवि य लेखक एवं रचना से सम्बन्धित			

(डॉ० आशुतोष कुमार सिंह)
संयोजक
पाठ्यक्रम समिति



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी०बी०सी०एस०)

कोर्स कोड		एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A010801T	Core	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	25	75	5 Credits
A010802T	Core	भारतीय काव्यशास्त्र	25	75	5 Credits
A010803T	Core	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	25	75	5 Credits
A010804T	Third Elective (Choose any one)	भारतीय साहित्य का स्वरूप	25	75	5 Credits
A010805T		प्रयोजनमूलक हिन्दी			
A010806P	Fourth Elective (Choose any one)	हिन्दी कथा साहित्य एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति	50	50	4 Credits
A010807P		न्यूनतम 05 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति			

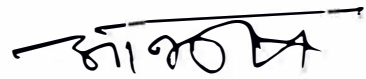
(डॉ० आशुतोष कुमार सिंह)
संयोजक
पाठ्यक्रम समिति



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी०बी०सी०एस०)

कोर्स कोड	एम०ए० तृतीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)	
		CIE	ETE		
A010901T	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)	25	75	5 Credits
A010902T	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)	25	75	5 Credits
A010903T	Core	भाषा विज्ञान	25	75	5 Credits
A010904T	Fifth Elective (Choose any one)	हिन्दी : भाषा एवं लिपि	25	75	5 Credits
A010905T		हिन्दी अनुवाद			
A010906P	Sixth Elective (Choose any one)	भाषा एवं लिपि पर लघु शोध परियोजना का निमार्ण	50	50	4 Credits
A010907P		अनुवाद पर कार्यशाला सेमिनार प्रस्तुति			


(डॉ० आशुतोष कुमार सिंह)
संयोजक
पाठ्यक्रम समिति



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी०बी०सी०एस०)

कोर्स कोड	एम०ए० चतुर्थ सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)	
		CIE	ETE		
A011001T	Core	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	25	75	5 Credits
A011002T	Core	छायावादोत्तर काव्य	25	75	5 Credits
A011003T	Generic Elective (Choose any one)	हिन्दी सृजनात्मक लेखन	25	75	4 Credits
A011004T		हिन्दी सिनेमा और साहित्य			
A011005R	MRP	दीर्घ शोध परियोजना	50	50	10 Credits

(डॉ० आशुतोष कुमार सिंह)
संयोजक
पाठ्यक्रम समिति



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन काव्य

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. चन्दवरदाई : पृथ्वीराज रासो का एक समयरेखा तट- सं० हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति : पद- 1, 2, 4, 7, 8, 9, 11, 13, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 29, 31, 33, 41, 46, 47, (20 पद) विद्यापति संचयन - सं० डॉ० लालसा यादव
3. अमीर खुसरो : चयनित दोहा (आरम्भ से 10) खुसरो की पहेलियाँ और मुकरियाँ
4. बीसल देव रासो (आरम्भ से 10 तक) सम्पादक माता प्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद प्रकाशन

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह

1. सम्पादक- डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह-सम्पादक - प्रो० सविता श्रीवास्तव
प्रकाशक- लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ -ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ० नामवर सिंह
3. कीर्तिलता और अवहट्ट : डॉ० शिवप्रसाद सिंह
4. विद्यापति : डॉ० आनन्दप्रकाश दीक्षित
5. विद्यापति : डॉ० शिवप्रसाद सिंह
6. विद्यापति : व्यक्ति और कवि : डॉ० रामसजन पाण्डेय
7. विद्यापति का सौन्दर्यबोध : डॉ० रामसजन पाण्डेय
8. महाकवि विद्यापति : डॉ० जयनाथ नलिन
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं०) डॉ० नगेन्द्र



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र – भक्ति काव्य

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

1. कबीरदास : कबीर-ग्रन्थावली (सम्पादक:हजारी प्रसाद द्विवेदी) पद संख्या 160-200
2. जायसी : 'पदमावत' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड
3. सूरदास : 'भ्रमर गीत सार' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) पद 20-40 (कुल 20 पद)
4. तुलसीदास : 'उत्तर काण्ड' (गीता प्रेस)
5. मीरबाई (मीरा : सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, आरंभ से 20 पद)

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह

1. सम्पादक- डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह-सम्पादक- डॉ० कुमार वीरेन्द्र
प्रकाशक- लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. मध्ययुगीन काव्यसाधना : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ० पीताम्बरदत्त बड़थवाल
3. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर-मीमांसा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
5. कबीर-साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
6. कबीर की विचारधारा : डॉ० गोविन्द त्रिगुणायत
7. कबीर और जायसी : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
8. पदमावत का काव्य सौन्दर्य : डा० शिव सहाय पाठक
9. जायसी : डॉ० विजयदेव नारायण साही
10. पदमावत : वासुदेवशरण अग्रवाल
11. अष्टछाप और बल्लभ-सम्प्रदाय : डॉ० दीनदयालु गुप्त
12. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
13. सूर का काव्यवैभव : डॉ० मुंशीराम शर्मा
14. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी
15. सूर और उनका साहित्य : डॉ० हरबंश लाल शर्मा
16. सूर का श्रृंगार वर्णन : डॉ० रमाशंकर तिवारी
17. भ्रमरगीत सार (भूमिका) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
18. तुलसी दर्शन : डॉ० बलदेव प्रसाद मिश्र
19. रामकथा : उत्पत्ति और विकास : डॉ० कामिल बुल्के
20. तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
21. तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ० उदयभानु सिंह
22. तुलसीदास और उनका युग : डॉ० राजपति दीक्षित
23. त्रिवेणी : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
24. तुलसीदास : माता प्रसाद गुप्त



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

- | | | |
|--------------------------------------|---|---|
| 25. हिन्दी साहित्य का इतिहास | : | आचार्य रामचन्द्र शुक्ल |
| 26. अकथ कहानी प्रेम की | : | पुरुषोत्तम अग्रवाल |
| 27. पद्मावत मानुष प्रेम भयउ बैकुन्ती | : | पुरुषोत्तम अग्रवाल |
| 28. पचरंग चोला पहन सखीरी | : | माधव हाड़ा |
| 29. सब लिखनी कै लिखु संसारा | : | पद्मावत और जायसी की दुनिया – मुजीव रिज़वी |



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : रीतिकाव्य – संग्रह

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

1. केशवदास : सम्पादक विजयपाल सिंह (लोक भारती प्रकाशन) आरम्भ से 20 छन्द
2. बिहारी : 'बिहारी-रत्नाकर' (सम्पादक : जगन्नाथदास 'रत्नाकर') 1 से 40 दोहे
3. घनानन्द : 'घनानन्द कवित्त' (सम्पादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र) कविता संख्या 1-20
4. गुरु गोविन्द सिंह – देहु शिवा वर मोहि इहे, वाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की

पाठ्यपुस्तक : रीतिकाव्यसंग्रह

1. सम्पादक— डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह-सम्पादक— प्रो० रमेश चन्द्र शुक्ल एवं डॉ० अवधेश कुमार शुक्ल
प्रकाशक— लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ० रामकुमार वर्मा
2. बिहारी : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. हिन्दी काव्य में श्रृंगारपरम्परा और बिहारी : डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त
4. बिहारी का काव्य लालित्य : डॉ० रमाशंकर तिवारी
5. बिहारी सतसई : जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
6. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ० रामदेव शुक्ल
7. केशव का आचार्यत्व : डॉ० विजयपाल सिंह
8. आचार्य केशवदास : डॉ० हीरालाल दीक्षित
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं०) डॉ० नगेन्द्र
11. गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य : डॉ० महीप सिंह



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर—प्रथम ऐच्छिक
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य (निबन्ध एवं नाटक)

पूर्णांक 100

क्रेडिट—05

निर्धारित पाठ्यक्रम :

(क) निबन्ध

1. भारतेन्दु—दिल्ली दरबार दर्पण
2. अध्यापक पूर्ण सिंह —मजदूरी और प्रेम
3. प्रताप नारायण मिश्र—शिवमूर्ति
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल — लोभ और प्रीति
5. डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी —नाखून क्यों बढ़ते हैं
6. डा० विद्यानिवास मिश्र —मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
7. कृबेरनाथराय — गंधमादन

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध एवं कहानियाँ

1. सम्पादक— डा० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह—सम्पादक—प्रो० प्रभाकर सिंह एवं प्रो० रमेश चन्द्र शुक्ल
प्रकाशक— लोक भारती प्रकाशन

(ख) नाटक :

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा
अथवा
मोहन राकेश: आधे—अधूरे

सन्दर्भ —ग्रन्थ

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डा० रामचन्द्र तिवारी
2. निबन्ध : सिद्धांत और प्रयोग : डा० हरिहरनाथ द्विवेदी
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डा० जयचन्द्र राय
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डा० रामचन्द्र तिवारी
5. आचार्य शुक्ल : सन्दर्भ और दृष्टि : डा० जगदीशनारायण 'पंकज'
6. लोक जागरण और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डा० रामविलास शर्मा
7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : डा० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : डा० दशरथ ओझा
9. हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास : डा० सोमनाथ गुप्त
10. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डा० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
11. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : डा० जगदीशचन्द्र जोशी
12. हिन्दी में ललित निबन्ध : डा० ललित व्यास
13. हिन्दी निबन्ध का विकास : मधुरेश



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर—प्रथम एक्जिक
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं

पूर्णांक 100

क्रेडिट—05

रामवृक्ष बेनीपुरी – माटी की मूरतें
महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा
तुलसीराम – मुर्दहिया
शिवरानी देवी – प्रेमचन्द घर में
मन्नू भंडारी – एक कहानी यह भी
विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा
हरिवंशराय बच्चन – क्या भूलूँ क्या याद करूँ
हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव

1. सम्पादक— डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह सम्पादक—प्रो० सविता कुमारी श्रीवास्तव एवं डॉ० अल्का मिश्रा
प्रकाशक— लोक भारती प्रकाशन

संदर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र तिवारी
2. महादेवी वर्मा—दूधनाथ सिंह
3. प्रेमचन्द और उनका युग—रामविलास शर्मा
4. तुम्हारा परसाई—कांति कुमार जैन
5. हरिवंश राय बच्चन—अजित कुमार
6. आत्मकथा की संस्कृति—पंकज चतुर्वेदी
7. कथेतर गद्य—माधव हाड़ा



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : सेकेन्ड इलेक्टिव

पूर्णांक 100

क्रेडिट-04

विद्यार्थियों द्वारा किसी एतिहासिक अथवा धार्मिक स्थलों का संस्मरण लेखन न्युन्तम आठ हजार शब्दों में। किसी घटना अथवा विषय पर रिपोताज लेखन स्थानीय या राष्ट्रीय लेखकों का साक्षात्कार अथवा

परियोजना प्रस्तुति करना (विषय-पृथ्वीराज रासो, आज का समय एवं कबीर। रामचरितमानस के विविध आयाम, पदमावत, सिद्ध-नाथ साहित्य सगुण एवं निर्गुण काव्यधारा, सूफी काव्य)